clickastro

SERVED OVER 110 MILLION SMILES
SINCE 1984

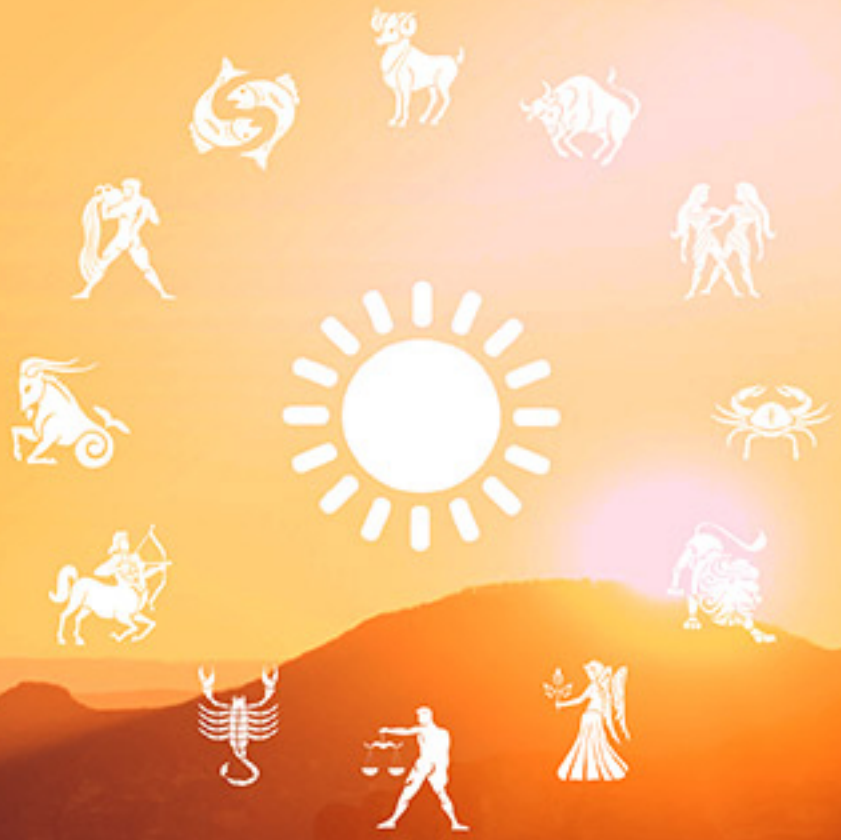

YEARLY HOROSCOPE

PREMIUM REPORT

नमस्कार,

जैसे की हम एक नए दशक और एक नए साल में पदार्पण कर रहे हैं, आगामी समय हमारे लिए कैसा होगा यह जानने का यह उचित समय है। क्लिकएस्ट्रो वार्षिक राशिफल वर्ष 2025 में आपके परिवार, स्वास्थ्य, कामकाज, व्यवसाय, धन और जीवन के अन्य पहलुओं से सम्बंधित आपके सवालों के जवाब देने के लिए प्रस्तुत है।

यह व्यक्तिगत वार्षिक राशिफल नए साल 2025 को अधिक सुखद और फलदायी बनाने में आपके लिए आवश्यक मार्गदर्शक सिद्ध होगा। यह वार्षिक भविष्यवाणी और विस्तृत मासिक भविष्यवाणी प्रदान करता है हो आगामी वर्ष में आपका मार्गदर्शन करेगा।

ताजिका पद्धति पर आधारित वर्षफल, आपके जन्म विवरण के आधार पर संक्षिप्त वार्षिक भविष्यवाणी है। मासिक फलादेश आपको आपकी जन्म कुंडली में चंद्र की स्थिति के संदर्भ में सूर्य और गुरु के गोचर के संयुक्त प्रभावों के बारे में बताता हैं। इसके अतिरिक्त, अष्टकवर्ग पद्धति द्वारा आपको हर महीने आपके सामने आने वाली समस्याओं का अधिक विस्तृत और व्यक्तिगत अध्ययन दे पाते है।

हम आशा करते हैं कि यह रिपोर्ट आपके लिए आगामी वर्ष में सार्थक और सुखद वर्षफल प्राप्ति में सहायक होगी!

नाम :	Rahul Kumar
लिंग :	पुरुष
जन्म तिथि :	1 जानुवरी, 1989 रविवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec) :	12:05:00 AM Standard Time
समय मेखल (Hrs.Mins) :	05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
समय पध्धति :	Standard Time
जन्म स्थल :	New Delhi New Delhi India
रेखांश (Deg.Mins) :	77.12 पूरब
अक्षांश (Deg.Mins) :	28.36 उत्तर दिशा
अयनांश :	चित्रपक्ष = 23 डिग्रि. 42 मिनिट. 19 सेकेन्ड.
दशा पद्धति :	विमशोत्तरी पद्धति, साल = 365.25 दिन
जन्म नक्षत्र :	हस्त
नक्षत्र पद :	4
नक्षत्र का देव :	चन्द्र
जन्म राशी :	कन्या
राशी का देव :	बुध
लग्न :	कन्या
लग्न का देव :	बुध
तिथि :	नवमि, कृष्णपक्ष
करण :	ग्रघभ
नित्ययोग :	अतीगन्धा
सूर्योदय :	07:14 AM Standard Time
सूर्योस्त :	05:35 PM Standard Time
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि :	शनिवार
प्रादेशिक समय :	Standard Time - 21 Min.

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:चित्रपक्ष = 23डिग्रि.42 मिनिट.18 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	161:53:33	कन्या	11:53:33	हस्त	1
चन्द्र	172:47:8	कन्या	22:47:8	हस्त	4
रवि	256:36:51	धनु	16:36:51	पूर्वषाढा	1
बुध	273:18:42	मकर	3:18:42	उत्तरषाढा	2
शुक्र	233:48:24	वृशचिक	23:48:24	ज्येष्ठ	3
मंगल	356:22:59	मीन	26:22:59	रेवत्ति	3
गुरु	33:2:11	वृषभ	3:2:11 रितु	कृत्तिका	2
शनि	251:51:40	धनु	11:51:40	मूल	4
राहु	314:5:41	कुंम्भ	14:5:41	शताभिषा	3
केतु	134:5:41	सिंह	14:5:41	पूर्व फालगुनी	1
गुलिक	160:10:54	कन्या	10:10:54	हस्त	1

राशी

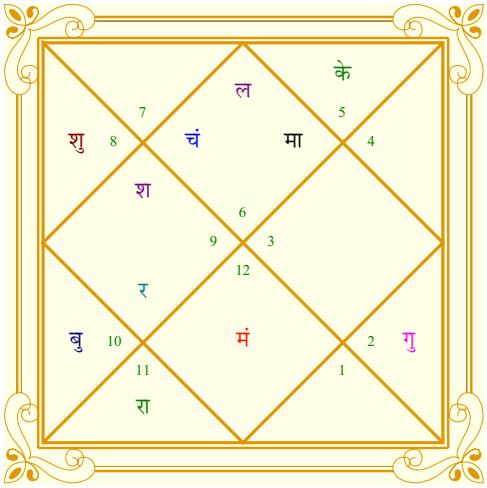

जन्म के समय दशा की समतुलना = चन्द्र 0 साल, 4 महीने, 28 दिन

चं	=	चन्द्र	र	=	रवि	बु	=	बुध	ल	=	लग्न
शु	=	शुक्र	मं	=	मंगल	गु	=	गुरु	मा	=	गुलिक
श	=	शनि	रा	=	राहु	के	=	केतु			

वर्षफल

पुरे सालभर में सूरज ज्योतिषचक्रका 360 डिग्री का एक गोल संक्रमण करता है। आपके जीवन कें विशीष्ट साल का परिणाम या प्रतिफलका ि वश्लेषण करनें हेतू, जन्मकुंडली उस वक्त निकाली है जहा संक्रमण करता हुआ सूरज वहा है जहा वो आपके जन्म समय था। इस जन्मकुंडलीका विशीष्ट साल कें लिए आपके जीवन कें प्रसंग और भविष्यवाणी बताने हेतू उपयोग किया जाता है। वार्षिक या प्रगतीशील जन्मकुंडली यह पश्चिमी ज्योतीषशास्त्र कें सिडेरियल सोलर रिटर्न चार्ट जैसी ही है।

वर्षफल कों तजाका या ज्योतीषशास्त्र की ताजिक प्रणाली कें रूप में जाना जाता है। बहोत लेखको में सें, निलकंठ और केशव यह जो बहोत बडे लेखक है जिन्होनें ताजिक प्रणाली पर अच्छा लिखा है।

यहा दिया गया वार्षिक जन्मकुंडली विश्लेषण और भविष्यवाणी ताजिक प्रणाली कें तत्वोंपर आधारित है। वर्षफल को नये साल में प्रवेश ऐसे कहा जाता है और उसका बहोत बडा महत्व है। यह पुरातन किताबों या ग्रंथो में सूझायें विस्तृत पद्धती सें यह निकाला गया है। आपकें जन्मके सप्ताह का दिन, वर्षफल कें रूप में जाना जाता है। वार्षिक कुंडली कें लग्न के अलावा, जिसकों वर्ष लग्न कहा जाता है और एक महत्वपुर्ण परिणाम होता है जिसें मुंथा, मुंथा स्वामी और वर्ष स्वामी कहा जाता है।

परासरा प्रणाली और वर्षफल अंतर्गत जन्मकुंडली का निर्णय लेने हेतू, नियमों में बहोत बडा अंतर या असमानता है। दो प्रणाली में पैलू और मेल इनके नियमों का संच अलग-अलग होता है। परासर प्रणाली में शब्दबला के अलावा पंचवर्गी य बला सें ग्रहो का सामर्थ्य निर्धारित होता है।

पूर्ववर्ती विश्लेषण में, विविध घटकों कें परिणाम कभी कभी प्रतिकूल रहते है और कभी कभी अनुकूल होते है। कुछ अशुभ परिणाम शुभ परिणामों सें नष्ट होते है, बहोत समय इसका पुरे सालभर में आप या कुछ समय में अनुभव लें गे। पुरे सालभरका कुल निर्णय हर एक वार्षिक भविष्यवाणी कें अंत में दिया जाता है।

कृपया ध्यान रखें , वर्षफल अवधि में वर्षप्रवेश कें दिन सें संपुर्ण साल समाविष्ट किया जाता है, जो लगभग एक जन्मदिन सें दुसरे जन्मदिन तक रहता है।

यहा दियी गयी भविष्यवाणी भाग्य का दर्शक है और आप आपके परिश्रम, इच्छा-शक्ति और भगवान का आशिर्वाद इससें कठिन समय पर निश्चीत रूप से विजय प्राप्त कर सकते है।

Year : : 37

वर्षप्रवेश

दिनांक : 1-January-2025

समय : 05.34.50 AM

वर्षफल की दिनांक चालू होने से एक साल तक वार्षिक अनुमान लागू है। ग्रहोंका देशान्तर रेखा और वर्षफलकी समय के लिए वार्षिक कुंडली निचे दि गयी है।

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:चित्रपक्ष = 24डिग्रि.12 मिनिट.22 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	232:57:17	वृशचिक	22:57:17	ज्येष्ठ	2
चन्द्र	269:45:13	धनु	29:45:13	उत्तरषाढा	1
रवि	256:36:39	धनु	16:36:39	पूर्वषाढा	1
बुध	235:40:5	वृशचिक	25:40:5	ज्येष्ठ	3
शुक्र	303:30:34	कुंम्भ	3:30:34	धनिष्ठ	4
मंगल	97:42:38	कर्क	7:42:38 रितु	पुष्य	2
गुरु	49:0:32	वृषभ	19:0:32 रितु	रोहिणी	3
शनि	320:19:5	कुंम्भ	20:19:5	पूर्व भद्रपाढा	1
राहु	337:17:27	मीन	7:17:27	उत्तर भद्रपाढा	2
केतु	157:17:27	कन्या	7:17:27	उत्तर फालगुनी	4
गुलिक	88:53:53	मिथुन	28:53:53	पुर्नवासु	3

वार्षिक कुंडली

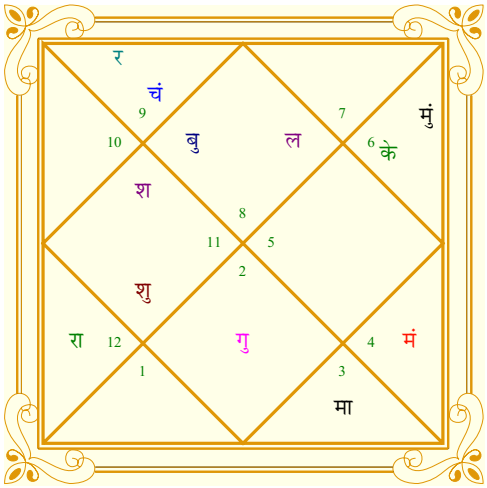

मुंथा : कन्या

चं	=	चन्द्र	र	=	रवि	बु	=	बुध	ल	=	लग्न
शु	=	शुक्र	मं	=	मंगल	गु	=	गुरु	मा	=	गुलिक
श	=	शनि	रा	=	राहु	के	=	केतु	मुं	=	मुंथा

हर्षबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
प्रथम तीव्रता	0	0	5	0	0	0	0
दुसरा तीव्रता	0	0	0	0	0	0	5
तीसरा तीव्रता	5	0	5	0	0	0	0
चौथी तीव्रता	5	0	5	5	0	0	5
सभी मिलाकार	10	0	15	5	0	0	10
शक्ती	मध्यम	कुछ नही	पुरा	कमझोर	कुछ नही	कुछ नही	मध्यम

पंच-वर्गी यबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
क्षेत्र	15.0	15.0	22.5	7.5	15.0	7.5	30.0
उच्च	6.306	7.401	12.148	14.057	2.254	14.89	6.631
हड्डा	11.25	11.25	3.75	15.0	7.5	15.0	7.5
द्रिख्खन	7.5	2.5	2.5	10.0	5.0	5.0	7.5
नवांश	2.5	5.0	1.25	2.5	3.75	1.25	2.5
सभी मिलाकार	42.556	41.151	42.148	49.057	33.504	43.64	54.131
विमसोपका	10.639	10.288	10.537	12.264	8.376	10.91	13.533
शक्ती	पुरा	पुरा	पुरा	पुरा	मध्यम	पुरा	पुरा

वर्षेनरा उमेदवार

अधिकार	गृह	विमसोपका तीव्रता	पैलू लग्नपर	पात्र या नही
मुंथा स्वामी	बुध	10.537	प्रतिकूल	हां
जन्म लग्न स्वामी	बुध	10.537	प्रतिकूल	हां
वर्ष लग्न स्वामी	मंगल	8.376	मैत्रीपूर्ण	हां
त्री-राशी स्वामी	शुक्र	12.264	प्रतिकूल	हां
दिन-रात्री स्वामी	गुरु	10.91	प्रतिकूल	हां

पात्र ग्रहों के बिच, शुक्र इसे उची तीव्रता है

शुक्र को वर्षेनरा के रूप में चुना गया है (वर्ष स्वामी)

मुंथा के परिणाम

मुंथा यह वार्षिक जन्मकुंडली का संवेनक्षम हिस्सा है। मुंथा यह जन्म लग्नसें प्रती साल एक राशी सें परिवर्तीत होता है। वार्षिक कुंडली में मुंथा स्थानके साल दरम्यान परिणामों पर महत्वपूर्ण परिणाम होते है।

मुंथा ह्यारहवें स्थान में है। इस अवस्था में, आपने आपके स्वास्थ्य के बारे में नही सोचना चाहिए। आप मित्र और रिश्तेदारों के स्था समय बिताने का प्रयास करेंगे। आप परिवार कें साथ बितायें समय का आनन्द लें गे। आपके परिवार के बच्चे अच्छी खबर दे सकते है। इस साल दरम्यान आपकी कुछ अच्छी आशा और इच्छा पुरी होगी। महत्वपूर्ण और वरिष्ठ लों ग आपकी ओर सकारात्मक दृष्टीसें देख सकते है। बडी अडचनें अचानक आयेगी, आप आपकों अचानक तंग करेंगी।

मुंथा स्वामी

घर स्वामी जहाँ मुंथा रहता है उसे मुंथेश घर कहते है। मुंथेश का प्रभाव मुंथा की तुलना में द्वितीयक रहता है।

इस उदाहरण में, मुंथा अच्छे स्थानपर है और मुंथा स्वामी भी अच्छे स्थान में है। इससें अच्छे परिणाम दिखाई देते है।

मुंथा स्वामी पहले घर में है। इस साल में , आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अडचनों के बिना आप इस साल आपके रोजाना काम कर सकेंगे। आपको प्रतिष्ठा और संपत्ती प्राप्त होगी। आप नये प्लॉट या कुछ संपत्ती कें मालिक भी बन सकते है। मुंथेश का शुभ स्थान यह दर्शाता है की, इस साल में आपके पास आनन्द रहेगा।

साल का स्वामी

वर्षेनरा, यह साल का स्वामी उपर दिखायें विविध घटकों वर आधारित है। साल स्वामी इस साल दरम्यान होने वाले प्रसंगोंपर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। ग्रह का सामर्थ्य महत्वपुर्ण समझा जाता है।

शुक्र साल का स्वामी है और वह बलवान है। इस आनेवालें साल में, आपकों वैवाहिक आनन्द और घरेलु सुख मिल सकता है। आप सामान्य रूप सें अच्छा स्वास्थ्य पा सकते है। आप स्पर्धात्मक प्रसंगो में सफलता प्राप्त करेंगे। आधुनिक विज्ञान में आपको रूची रहेंगी। आप कुछ गहने या संपत्ती प्राप्त कर सकते है। साल का बलवान स्वामी आपको आर्थिक मामलों में योग्य निर्णय लेने का सामर्थ्य देता है। आपकों लैंगीक सुख में रूची रहेंगी। नया वाहन या आरामदायी चिजें आपको जीवन में आनन्द देंगे और सुख देंगे।

जन्म लग्न

वर्ष लग्न के संबंध में जन्म लग्न के स्थान का खास महत्व है।

जन्म लग्न वार्षिक ग़्यारहवां स्थान है। आगे कें कुछ महिनों में , आपको आपके परिवार के लिए आर्थिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आपके परिवार को व्यापार, लॉटरी या शेयर मार्केट से लाभ होने का अच्छा समय है। आपकों समाज में या रिश्तेदारो में अच्छा स्थान रहेंगा।

स्थानो में ग्रह

वार्षिक कुंडलीके अलग-अलग स्थानोमें ग्रहो के स्थान के कारन होनेवाले परिणाम निचे दिये है। यह प्रभाव पहले विश्लेषन किये मूल्यांकनों के आधारपर अच्छे और बुरे प्रभाव बताते है।

चंद्रमा दुसरे स्थान में है। इससे व्यवसाय में प्राप्ती, वरिष्ठों से सहायता, प्रसिद्धी और परिवार सदस्यों सें आनन्द।

सुर्य दुसरे स्थान में है। इससे संपत्ति का नुकसान, परिवार सदस्यो सें विवाद, गला और आखों में अडचनें हो सकती है। परिवार में मृत्यु हो सकता है।

बुध पहिले स्थान में दिखता है। इससे सामान्य आनन्द,, शत्रुओं पर सफलता, नये व्यापार की प्राप्ती, नये मित्र और आर्थिक प्रतिष्ठा दिखती है।

शुक्र चौथे में है। इससे आराम की चिजों की, गाडी, आभूषण, घरेलू आशिर्वाद, सामान्य आनन्द और सफलता, अग्रेसर वैभवशाली जीवन दिखाई देता है।

मंगल नौवे स्थान में है। इससे बहोत रास्तो से भाग्य और प्रतिष्ठा में प्राप्ती होगी।

गुरू सातवे स्थान में है। इससे महिला सदस्य से आनन्द, सफलता, निर्भयता और शत्रुपर विजय प्राप्त होगा।

शनी चौथे स्थान में है। इससे व्यवसाय या नोकरी में अडचनें, भय, आखें और पेट के रोग, रिश्तेदारों सें दुख, प्रतिष्ठा में नुकसान, गायों का मृत्यु, आग से दुर्घटना और अनाज का नुकसान इसकी संभावना है।

राहु पाँचवे स्थान में है। इससे गलत निर्णय लेना, शत्रु सें दुख और पाचन क्रिया सें बिमारी हो सकती है। बहोत प्रकरणों में अनपेक्षित निराशा भी हो सकती है।

केतु ग्यारहवे स्थान में है। इससे अच्छे घर बांधना, आनन्द, साहस और बहोत मामलों में सामान्य सुधार की संभावना है।

ग्रहोके स्थान पर परिणामों का सारांश

गृह	परिणाम
चन्द्र	अनुकूल
रवि	प्रतिकूल
बुध	अनुकूल
शुक्र	अनुकूल
मंगल	अनुकूल
गुरु	अनुकूल
शनि	प्रतिकूल
राहु	प्रतिकूल
केतु	अनुकूल

ग्रहो का स्थान में कुल परिणामः अनुकूल

विश्लेषन किये घटको का एकत्रित परिणाम

घटक	परिणाम
मुंथा	अनुकूल
मुंथा स्वामी	अनुकूल
वर्षे नरा	अनुकूल
जन्मलग्न	अनुकूल
स्थान में ग्रह	अनुकूल

वर्ष के लिए एकत्रित ज्योतीषशास्त्रीय रेटींग - 95 %

मासिक फलादेश

निम्नलिखित मासिक फलादेश आपकी जन्म कुंडली में चंद्र के संदर्भ में सूर्य और गुरु की वर्तमान स्थिति पर विचार करके किया गया है। एक राशि से दूसरी में भ्रमण करने के लिए सूर्य लगभग एक महीने का समय लेता है, जबकि गुरु को लगभग एक वर्ष का समय लगता है। सूर्य के संचार के प्रभाव को हालांकि सामान्य ही माना जाता है, परन्तु हमने यहां जिस राशि से सूर्य संचार कर रहा है, उस राशि के सर्वाष्टकवर्ग बिंदुओं की गणना करके भविष्यवाणियों को और अधिक वैयक्तिकृत किया है। संचार भविष्यवाणियों में अष्टकवर्ग गणना की भूमिका महत्वपूर्ण है, जो आपके जन्म कुंडली में ग्रहों की स्थिति के आधार पर अंको की एक पद्धति से किया जाता है। यह मासिक रिपोर्ट सूर्य और गुरु दोनों के प्रभावों का एक संयोजन है, जो आपको एक बेहतर वर्ष के लिए मार्गदर्शन करेगी।

सर्व अष्टकवर्ग कुंडली

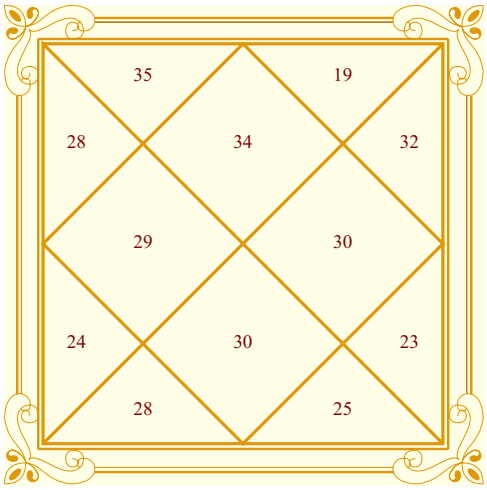

14-1-2025 >>>> 12-2-2025

सूर्य का गोचर राशि : मकर (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :24)

गुरु का गोचर राशि : वृषभ

गुरु के प्रभाव से विदेशी भूमि तथा, विदेशी संस्कृति की ओर आपका आकर्शन बढ़ सकता है। लंबी यात्राओं की योजनाएं सामने आएंगी। तीर्थाटन भी संभाव्य हैं। लेकिन, कुछ रुकावटें आएंगी। आप आध्यात्मिक कार्यों के बारे में सोचेंगे तथा, अध्यात्म से जुड़ी कोई भी चीज आपको खुश तथा, जिज्ञासु बनाएगी। दार्शनिक समस्याओं पर भी आपका ध्यान जाएगा। आप आध्यात्मिक साहित्य मे रुचि ले सकते हैं। यह एक ऐसा समय है जब आप लेखन तथा, प्रकाशन में भी व्यस्त हो सकते हैं आप अध्ययन तथा, अध्यापन दोनों मे सफल हो सकते हैं। विदेशी समुदाय के साथ आनंदमय समय बिता सकते हैं। हालांकि, वार्षिक सौर परिभ्रमण बहुत ही जटिल मोड पर है। यह आपके प्रेम जीवन तथा, रचनात्मक ऊर्जा को प्रभावित करेगा। इसलिए आपको ऐसी बातों का ध्यान रखना होगा, नहीं तो बहुत सारी चुनौतियाँ होंगी। संघ के सदस्यों के साथ तर्क वितर्क हो सकते हैं।

12-2-2025 >>>> 14-3-2025

सूर्य का गोचर राशि : कुंभ (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :28)

गुरु का गोचर राशि : वृषभ

यह अवधि आरंभ में जरा हतोत्साहित करने वाली हो सकती है। इस अवधि के पहले भाग के दौरान वित्तीय विषयों की कुछ चुनौतियाँ होंगी। आपको एकसाथ कई कार्य भी करने पड़ सकते हैं। आपके पास इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पर्याप्त मानसिक तथा, भावनात्मक बल होगा। जैसे-जैसे समय बीतता जाएगा, आप तथा, अधिक राहत महसूस करेंगे। चुनौतियों के बावजूद यह अवधि आपके लिए भाग्योदय का कारण बनेगी। इन शुभ फलों से आपके पिता भी लाभान्वित होंगे। आपकी सामाजिक मान्यता तथा, व्यवसाय में सुधार होगा। आप नई चीजों का अध्ययन कर सकते हैं या किसी नए पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। आप किसी दूर की यात्रा की योजना भी बना सकते हैं, पर इन सकारात्मक संकेतों से अति-आशावादी न बनें इससे आप इन्हें अधिक संघर्षमाय बना सकते हैं। सेहत में सुधार के प्रति सावधान रहें।

14-3-2025 >>>> 14-4-2025

सूर्य का गोचर राशि : मीन (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :30)

गुरु का गोचर राशि : वृषभ

इस अवधि के दौरान आपको अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों को लेकर सावधान रहना चाहिए। आपको अपने किसी भी संबंध से अति अपेक्षाएं नहीं करनी चाहिए। थोड़ी गोपनीयता बनाए रखना और अपने मन के भेद प्रगट ना करने से आपका आत्मविश्वास बना रहेगा। संबंधों के अलावा अन्य मामलों में भी भाग्य आपका साथ देगा। आप का सौभाग्य आपके पिता और पितृतुल्य व्यक्तियों के लिए भी लाभप्रद होगा। आप किसी प्रमुख भूमिका में आ सकते है और मान्यता प्राप्त कर सकते हैं। कारकिर्दगी- विकास के कुछ कार्य हो सकते हैं। आप अपने ज्ञान में वृद्धि करेंगे या किसी नए पाठ्यक्रम से जुड़ेंगे। लंबी यात्रा पर जाने के लिए भी यह समय अच्छा है। पोषक आहार लेने का ध्यान रखें। इस अवधि के अंत तक आपकी स्थिति में सुधार होगा।

14-4-2025 >>>> 15-5-2025

सूर्य का गोचर राशि : मेष (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :25)

गुरु का गोचर राशि : वृषभ

इस चरण के दौरान आप अपने वित्तीय मामलों को निपटाने पर ज्यादा ध्यान देंगे। पैसे की तत्कालीन आवश्यकताएं सामने आएंगी और आपको उस उद्देश्य से बचत करनी चाहिए। यह आपके साझेदारी के प्रकल्पों के लिए भी एक जटिल समय है। आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों में से कोई भी संबंध कुछ चुनौतियों से गुजर सकते हैं। गुरु आपकी आध्यात्मिकता को प्रभावित करेगा और आप आध्यात्मिक विज्ञान को नकारात्मक दृष्टिकोण से देखेंगे। विदेश यात्राओं और शिक्षा संबंधी अवसर सामने आ सकते हैं, परंतु कुछ दीर्घकालिक अवरोध भी होंगे। आपको किसी भी अनधिकृत विषय में नहीं पड़ना चाहिए। संचार माध्यम से जुड़े मामलों में काम करने के मौके मिलेंगे।

15-5-2025 >>>> 15-6-2025

सूर्य का गोचर राशि : वृषभ (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :23)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

यह एक जटिल समय है इसलिए आपको अपने परिवार के बुजुर्ग व्यक्तियों को लेकर बहुत सावधान रहना होगा। क्लेश होने की संभावना है और आपको उन्हें अप्रसन्न भी नहीं करना चाहिए। लेखन और प्रकाशन के भी कुछ अवसर प्राप्त होंगे। भाई-बहनों को लेकर भी कुछ चुनौतियाँ हो सकती है। यह गोचर आपके घर, परिवार, पूर्वजों, माता-पिता और पैतृक संपत्ति को प्रभावित करेगा। तथापि, आपको घर और कामकाज के बीच संतुलन बनाएं रखने की आवश्यकता हो सकती है। आपको कामकाज से संबन्धित चिंताएं रहेंगी, साथ ही साथ परिवार को भी आपकी बहुत आवश्यकता हो सकती है। नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। इस सप्ताह के दौरान सत्ता संघर्ष भी संभव है। आपके उच्चाधिकारी आपसे उत्तरदायित्व लेने के लिए कह सकते हैं।

15-6-2025 >>>> 16-7-2025

सूर्य का गोचर राशि : मिथुन (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :30)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

इस अवधि में आपके आशावाद और आत्मनिर्भरता में वृद्धि होगी। यह कुछ हद तक अच्छा है। यह अवधि आपको अहंकारी और अति-दार्शनिक भी बना सकती है, जो आपके विरुद्ध स्थितियों को बदल देगी। अपने कारकिर्दगी और सामाजिक स्थिति में सुधार के लिए अब आपको समझदारी से काम लेना चाहिए। कारकिर्दगी का बेहतर मौका मिल सकता है! आप सत्ता में प्रभावशाली लोगों से जुड़ सकते हैं जो आपकी सहायता करने में सक्षम होंगे। आपका अति-दार्शनिक दृष्टिकोण कार्यस्थल पर समस्या का कारण बन सकता है। यह आपको दूसरों से असहमत होने के लिए प्रेरित करेगा। इसलिए, अपने प्रबंधकों और वरिष्ठों के प्रति आज्ञाकारी बने रहने का ध्यान रखें। इस अवधि में आपके अच्छे कर्म आपको यश के शिखर पर पहुँचने में मदद करेंगे, तो दूसरी ओर बुरे कर्म आपको प्रगति में पीछे डाल देंगे। इस समय आप कुछ धर्मादाय कार्यों में संलग्न होंगे।

16-7-2025 >>>> 17-8-2025

सूर्य का गोचर राशि : कर्क (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :32)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

इस कालावधि में आप अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। यह अवधि आपको बहुत आशावादी बना सकती है जिसके परिणामस्वरूप अवास्तविक महत्वाकांक्षाएं बढेंगी। आपको किसी बड़े मनोरथ की कामना नहीं करनी चाहिए क्योंकि आप केवल मध्यवर्ती परिणामों की आशा कर सकते हैं। आपको अपने धन के बारे में भी सावधान रहना होगा। इस अवधि के उत्तरार्ध में आप कुछ वित्तीय लाभ की आशा कर सकते है। आपको व्यवसाय विकास के अवसर मिलेंगे, परंतु अपने अति दार्शनिक विचारों पर नियंत्रण रखना चाहिए। व्यावसायिक मामलों में बहुत बहुत दार्शनिक होने से आपके विकास में बढ़ाएं आएंगी। नये समूहों और नए मित्रताओं को स्वीकार करते समय विचारशील रहें, अन्यथा यह आपके विरुद्ध फल देगा। आपके एकल निर्णय गलत हो सकते हैं, इसलिए हमेशा दूसरी राय लें।

17-8-2025 >>>> 17-9-2025

सूर्य का गोचर राशि : सिंह (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :19)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

गुरु आपके कार्यक्षेत्र, सामाजिक स्थिति को प्रभावित करेगा। यह कुछ चुनौतियों को समक्ष लाएगा क्योंकि, वर्तमान में यह ग्रह एक आदर्श स्थिती में नहीं है। आप कला तथा, मनोरंजन क्षेत्र में किसी नए प्रकल्प द्वारा यश प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं। गुरु का प्रभाव आपका दिन आपको आलस्य से भरा ही प्रतीत करा सकता हैं। इससे आपके काम पर अवांछित प्रभाव पड़ेगा। आपके प्रबंधक आप तक पहुंचने के प्रयास करेंगे, जिसका उत्तर उनके समर्थन में हमारी विनम्रता ही हो सकती है। अन्यथा, उन्के अपेक्षाओं की पूर्ति करने में हम अक्षम सिद्ध होंगे। गुरु घर तथा पारिवारिक क्षेत्र को भी प्रभावित करेगा। अतः अचल संपत्ति के व्यवहार भी होंगे।

17-9-2025 >>>> 17-10-2025

सूर्य का गोचर राशि : कन्या (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :34)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

यह अवधि आपको अधिक आशावादी और दार्शनिक बना सकती है। यह अच्छा है, बशर्ते आप वास्तविकताओं से अवगत रहें। आपको कामकाज के अच्छे अवसर और अपने कौशल को विकसित करने के लिए एक बड़ा स्थान मिल सकता है। लेकिन, अति महत्वाकांक्षी या अति-आशावादी ना बनें। आपको अपने दार्शनिक विचारों को अपने तक ही सिमित रखना चाहिए और किसी से बहस नहीं करनी चाहिए। हमेशा व्यावहारिक रहें और अच्छी योजनाएं बनाएं। आपको और अधिक मान सम्मान मिलेगा! छुट्टियों की योजना बनाने का यह एक अच्छा समय है। पोषक आहार और उचित चिकित्सा जांच आपको स्वस्थ रखेगी। अपनी जिम्मेदारियों का ध्यान रखें अन्यथा आपका जीवनसाथी/प्रेमी आपको गलत समझ सकता है। इस समय अपने विचारों और कल्पनाओं को अपने तक रखना ही अच्छा रहेगा।

17-10-2025 >>>> 16-11-2025

सूर्य का गोचर राशि : तुला (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :35)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

यह अवधि आपको आशावादी और दार्शनिक बनाएगी। यह दोनों गुण अच्छे हैं, यदि इनका अतिरेक ना हो। आपको नौकरी के नए और उत्तम अवसर मिल सकते हैं! कोई भी निर्णय लेने से पहले, सुनिश्चित कर लें कि आप इसके बारे में अति-आशावादी नहीं हो रहें हैं। किसी भी अवास्तविक महत्वाकांक्षा से दूर रहें! यदि आप व्यावहारिक रहकर परिणामों के बारे में सोच विचार करेंगे, तो आपकी योजना अच्छी तरह से काम करेगी। यही बात अपने वित्तीय लेन-देन में भी ध्यान में रखें। अपनी दार्शनिकता को दूसरों के सुविधा के आड़े ना आने दें, खासकर कार्यस्थल पर। ऐसा करके आप निश्चित रूप से अधिक मान सम्मान अर्जित करेंगे। चापलूसी के झांसे मंू न आएं और उन लोगों से दूरी बनाए रखें जिन्हें आप पसंद नहीं करते हैं। अभिव्यक्ति को सिमित रखना हितकारक रहेगा।

16-11-2025 >>>> 16-12-2025

सूर्य का गोचर राशि : वृश्चिक (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :28)

गुरु का गोचर राशि : कर्क

इस गोचर में आप बहुत बुद्धिमान, आशावादी तथा, साहसी बनेंगे। कुछ नई इच्छाएं आपके मन में उभर सकती हैं तथा, आप उनमें से कुछ को मूर्त रूप देने में सक्षम भी होंगे। जीवन के कल्पना समृद्ध क्षेत्र मे आपको सुखदायी अनुभूतियां मिलेंगी। आपको पर्याप्त भौतिक सुख-सुविधाएं भी मिल सकती हैं। बहुत आशावादी न रहें। आपको कुछ अस्थायी वित्तीय विषयों का सामना करना पड़ सकता है। इस गोचर में आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अपने उद्यमों में बहुत व्यस्त रहना होगा। इस परिश्रम का फल आपको बाद में मिलेगा। आपके मार्ग में बाधाएं तथा, चुनौतियां होंगी, जो धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगी। सीखने तथा, सीखाने के लिए यह अच्छा समय है। आप नए मित्र बनाएंगे या, किसी नई समूह या संघ में शामिल होंगे। आप परोपकार तथा, दान धर्म में भी रुचि दिखा सकते हैं।

16-12-2025 >>>> 14-1-2026

सूर्य का गोचर राशि : धनु (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु :29)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

यह गोचर आपको पारिवारिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता देता है। इस गोचर में एक समस्या यह है कि, यह आपको बहुत आशावादी तथा, दार्शनिक बना देगा, जिससे काल्पनीक अपेक्षाएं पैदा होंगी। अच्छा होगा यदि आप व्यावहारिक रहें। यह जिम्मेदारियों को स्वीकार करने तथा, परिवार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सिद्ध करने का समय है। परिवार में आपके बड़ों को आपके सहयोग की आवश्यकता है। तथा, आपके घर में रखरखाव तथा, सुधार की आवश्यकता हो सकती है। आपको व्यवसायक्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर मिल सकता है। ध्यान रहे कि व्यावसायिक मामलों में दार्शनिक होने से आपके कामों पर नकारात्मक प्रभाव होंगे। घर तथा, काम में अनावश्यक बातचीत से बचें। आपके परिवार के सदस्यों को अपनी सेहत पर ध्यान देना चाहिए। अभी आप जिन कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं , वे धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगी।

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research support we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any decision that may be taken on the basis of this report.

With best wishes : Astro-Vision Futuretech Pvt.Ltd.
First Floor, White Tower, Kuthappadi Road, Thammanam P.O - 682032

Phone:
+91(India) 6366920680

E-mail:support@clickastro.com

clickastro
#FuturePositive

YearGuideNY 3.0.4 Build 9 Server Edition